सहरिया जनजातियों में भूमि अपवर्तन जनित आर्थिक वंचना के सामाजिक-सांस्कृतिक आधार

अरूण कुमार उपाध्याय
प्राध्यापक समाजशास्त्र
शास.भगवत सहाय महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन मध्य प्रदेश में सहरिया जनजातियों में भूमि अपवर्तन जनित आर्थिक वंचना के सामाजिक सांस्कृतिक आयाम के विश्लेषण पर केन्द्रित है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य सहरिया जनजातियों में भूमि अपवर्तन और प्रर्वजन के बीच सह सम्बन्धों को ज्ञात करना और भूमि अपवर्तन जनित आर्थिक वंचना से उनके जीवन शैली पर पडने वाले प्रभावों के विश्लेषण करना है। इस अध्ययन में यह जानने का प्रयास किया गया है कि भूमि अपवर्तन के कारण उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन में घटित परिवर्तन की दिशा क्या है ? विकास की इन जनजातियों की अपनी धारणा क्या है? क्या वे अपने प्रयास से विकास के इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है ? हमारा यह अध्ययन इस मान्यता पर आधारित है कि गैर-जनजातियों का इनके क्षेत्र में प्रवेष से पहले सहरिया जनजाति आत्मनिर्भर थे । जब इनका सम्पर्क बाहरी लोगो से हुआ तो बाहरी लोग इनका भरपूर लाभ उठायें । भूमि अपवर्तन जनित आर्थिक वंचना गैर जनजातियों के शोषण का परिणाम है।

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2022-23
अंक-35-36, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्